GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0124**

Classification:

Original File No. 3 HS

Title

Education

Volume:

Running **from year: 1953** **till year: 1959**

Content:

- **Bill for The Month of January- 1959.**
- **Letters to Head Supervisor**
- **Copy of Inspection report of Pakra U.P. School, 23-1-59.**

MODERN

RECORD FILE

1953-59

No 3 HS

of ~~Deputy Inspector of Schools~~

~~RANCHI~~

No.

Previous

Following No.

School

s

M. M. 309./A.

Bill For the Month of January 1959

For the Salary and allowances etc. of the Teachers of Middle Schools

1. Name of the Constitution :- Middle School Amlesha 3. Name of the Post office :- Ta

2. Name of the village :- Amlesha 4. Name of the Police station :- Ta

SL. No.	Name of the Teachers	Qualification	Scale of Pay on 31.1.49	Scale of Pay on or after 1.4.49	Salary due For the Month: Basic	Salary due For the Month: Enhanced	Salary due For the Month: Total	Dearness allowance: D.A.	Dearness allowance: 5c + 6a	Deduction if any	P.F. Deduction	Total
1	2	3	4a	4b	5a	5b	5c	6a	6b	7	8	9
1	Mr. C. D. Sirka	I. A.	.	45/-	-	5/-	5/-	15/-	20/-	-	-	-
2	Head masters allowance	.	.	.	-	.	.	.	5/-	-	-	-
2	Mr. Salan Bhengra	Matric. B.S.T.	.	45/-	-	5/-	5/-	15/-	20/-	-	-	-
3	Mr. Jaymasih Purti	M.E. E.T.	15/-	35/-	-	24/-	24/-	15/-	39/-	-	-	-
4	Mr Prabhusahay Purti	M. E. E.T.	.	35/-	-	22/-	22/-	15/-	37/-	-	-	-
5	Mr. Anandmasih Guria	M.E.E.T.	15/-	35/-	-	23/-	23/-	15/-	38/-	-	-	-
6	Mr Enem Purti	M.E.E.T.	-	35/-	-	20/-	20/-	15/-	35/-	-	-	-
7	Babu Daud Mundu	Servant	-	-	-	-	-	15/-	15/-	-	-	-

Passed For Rs :-

Accountant

District Super in-tendent of Education Ranchi

C D Sirka
Head-Master,
Middle School Amlesha,
P.O. Tamar, Dt. Ranchi.

and Contingency grant of such schools

...ndar 5. Name of Circle :- Tamar
...mar 6. Name of District :- Ranchi

Deduction	Net Amount after Deduction	Amount of Contingency	M.O.C.	Remarks
	10	11	12	13
	20/-	—	.30	Certified that the Teachers have been Paid their Basic Pay For last month.
	5/-	—		Amlessa. Middle. School.
	20/-	—	.60	Secretary —
	39/-	—	.60	[illegible] Z. Bodra.
	37/-	—	.60	24-1-59.
	38/-	—	.60	
	35/-	—	.60	
	15/-	—	.30	

Counter singned For Rs :-
Deputy Inspector of Schools Khunti.

M.M. 309/B

Statement for the month of January 1959.

MIDDLE SCHOOL AMLESHA
P. O. TAMAR, RANCHI.

Name of the school.	No of the teachers	Trained and untrained separately		No. of the Roll.	Avarage Attendance	Name and qualification of the teachers.	Period of continuous service.
		Trained	Untrained				
1	2	3	4	5	6	7	8.
	6	5	1	VII 36	34	Mr. C. D. Sirka I.A.	Serving since Dec. 1926. but in this school from 12.9.1955.
				VI 36	33	Mr. S. Bhengra. Mat. B.S.T.	Serving since 1st April 1951 in this school.
				V 32	30	Mr. Jaimasih Purti M.E.E.T.	Serving since January 1926 but in this school from March 1948.
				IV 30	27	Mr. P. S. Purti M.E.E.T.	Serving since Dec. 1938 but in this school from March 1951.
				III 15	14	Mr. A. M. Guria. M.E.E.T.	Serving from 1st January 1957.
				II 15	14	Mr. E. Purti M.E.E.T.	Serving from 1st January 1956.
				I 25	23		
		Total:-		189	175		

C. D. Sirka
Head-Master,
Middle School Amlesha,
P.O. Tamar, Dt. Ranchi.

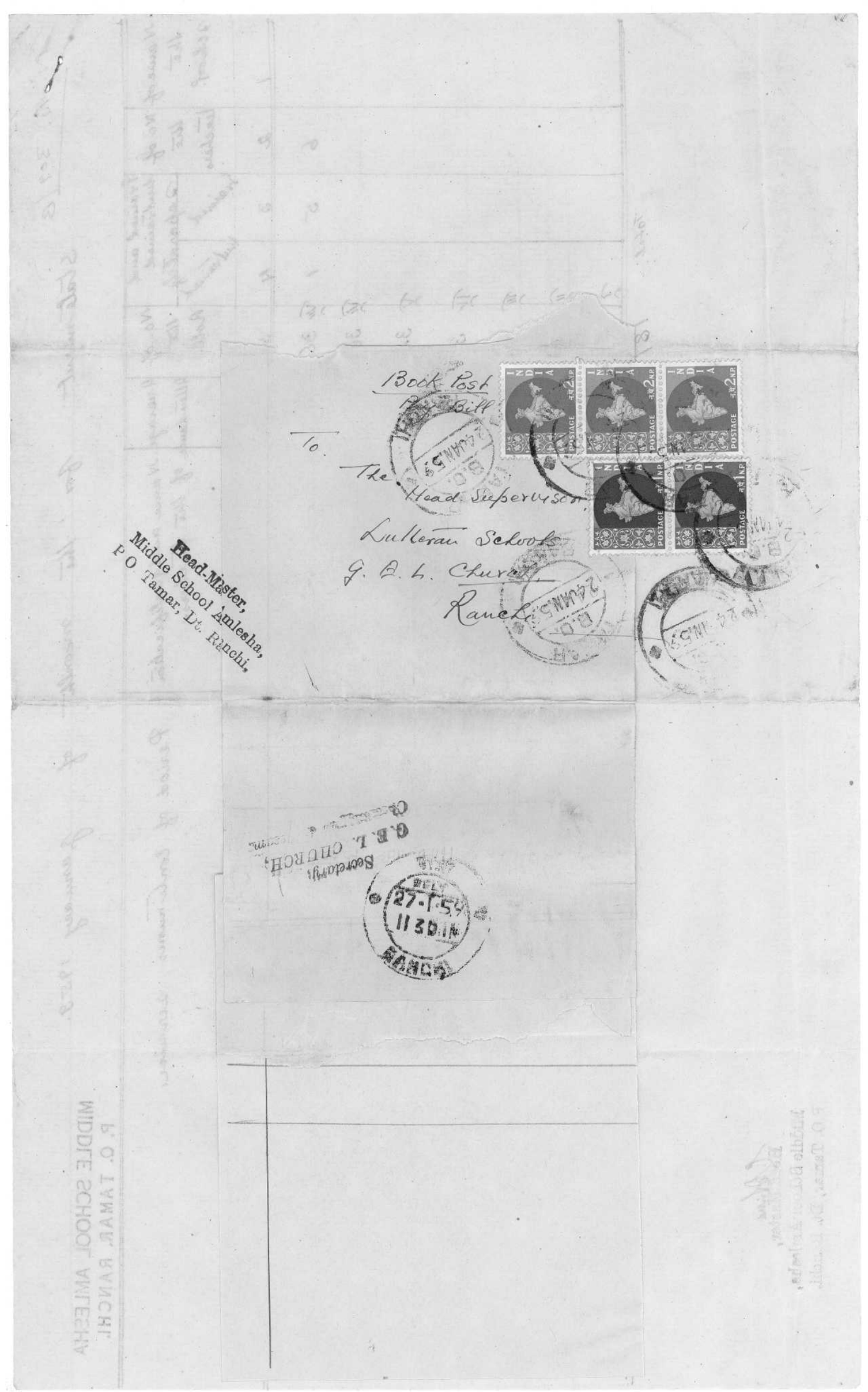

Book Post
Pay Bill

To
The Head Supervisor
Lutheran Schools
G. E. L. Church
Ranchi

24 JAN 59
B.O.

Head-Master,
Middle School Amlesha,
P O Tamar, Dt. Ranchi,

Secretary,
G.E.L. CHURCH

27-1-59
11 30 IN
RANCHI

कुछ खबर भी नही है
जिस से मैं चकित हूँ।
क्योंकि जो तलब मिशन
से मुझ को दिया जा
रहा है - उस से मेरा गुजर
नहीं हो रहा है। इस
साल स्कूल में Roll संख्या
२६ है, फिर ४,५ का
नाम नही लिखा है। मां
बाप को बुलाने पर नहीं
आते। Add. का ता॰ 31 Jan
तक का। संख्या बढ़ता पर है
कोई प्रकार से बनाने का कोशिश
कीजिये। लि. S. Suren
Burju L.P. School

पोस्ट कार्ड
जवाबी
केवल पता

POSTAGE
5 N.P. INDIA 5 नये पै

18 -2 ...
8 30AM
RANCHI

To The Head Supervisor
Lutheran schools
Ranchi

Wr. 18/2

From Mrs S. Suren
Lutheran Girls L.P. School
Burju.

16-2-59

To. The Head Supervisor
Lutheran Schools, Ranchi

महाशय,

इन्टरव्यू का क्या नतीजा हुआ है। इतने दिनों से मैं आशा देखते थक गई कोई खबर नहीं आ रहा है। एक List निकला है- उसमें ~~[illegible]~~ Subasini Topno village Karamtoli Ranchi का नाम है; पर ~~[illegible]~~ मेरा नाम नहीं है। वह रातु Girls स्कूल के लिये appoint हुई है। 800 करीब शिक्षक थे उनमें उस list में केवल 70 का दिया है इस से मालुम होता है कि बाकी का अभी तक appointment चिट्ठी नहीं निकला है। आप मेहरबानी कर के जांच कीजिये और हम को जल्दी खबर देने की कृपा कीजिये।

पतरा यू-पी स्कूल
3.2.56

श्रीमान हेड सुपरवैजन

कुचेरन स्कूल रांची।

महाशय- सूचना यह है कि पतरा जी.ई.एल.यू.पी. स्कूल के शिक्षक अरविंद उरिव का ट्रान्सफर नहीं हुआ-- इसके लिये अब क्या उपाय किया जाता है। 5.9.5 बलिया 2 को कहता है कि उसे देकिंग- पढ़ने के लिये भेज देने का कोशिश करेंगे। किसी मलोमसी टोप्पो का ट्रान्सफर 3.9.56 का हुआ है पर वहां की- कोई खबर तक नहीं मिला है।

(बायाँ हाशिया:) निमिकरलाल भी जा रहा है। निमिकर का स्थानान्तरण यूनिवर्सिटी को भी भेज दिया गया है।

आपका विश्वासी -
प्रधान शिक्षक
हाकिम उरिव
ता. 3.2.56

ભા —

તા. ૨૮-૧-૫૨ ના ડૉ. [illegible]
[illegible] - ગુજરાત વિદ્યાપીઠને આપવા
[illegible]
[illegible]
[illegible] —

[illegible]
[illegible]
તા. ૩. ૧-૫૨

[illegible]

[illegible]

[illegible]

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

No. 443/58

Dated 31st Dec. 1958.

To,

Rev. N. Bhuinya,
Synod President, G. E. L. Church,
Hazaribagh.

Sir,

I am sending a book-post containing list of books to be taught in our schools during the session 1959.

Kindly distribute them in our schools.

THANKS.

Yours faithfully,

N Horo 31/12/58
Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

निरीक्षण टिप्पणी

पकरा यू पी स्कूल २३-१-५६

(१) आज मैंने इस स्कूल का निरीक्षण किया।
शिक्षक ठीक समय पर उपस्थित पाये गये।

यहाँ तीन शिक्षक काम करते है।

(१) हाबिल सुरिन (मिडल ट्रेन्ड
(२) सुदर्शन सुरिन (मिडल)
(३) सलोमी टोपो (मिडल ट्रेन्ड)

उसमे केवल हाबिल सुरिन को ही वेतन मिलता है। शेष दो शिक्षक का वेतन मिशन से मिलता है। अतः इन दोनों का वेतन जिला शिक्षा अधीक्षक राँची देने की कृपा करें। क्योंकि अगर इन दोनों शिक्षक का वेतन नहीं मिलेगा तो नतीजा इसका भविष्य में बुरा हो सकता हो इन दोनों शिक्षकों को यहाँ से चले जाने से स्कूल का काम बिलकुल उप पड़ सकता है।

(२) यहाँ छात्र संख्या गत वर्ष की अपेक्षा। अधिक हो गई है। आज छात्रों की उपस्थित निम्न प्रकार से पायी गयी।

पंचम वर्ग	२/२
चतुर्थ वर्ग	६/५
तृतीय वर्ग	६/८
द्वितीय वर्ग	६/६
प्रथम वर्ग	२३/३०

~~अच्छे दीख पड़ते हैं प्रथम वर्ग के~~ (३) पढ़ने में यहां के छात्र अच्छे दीख पड़ते हैं। प्रथम वर्ग के बच्चों के अधिक छोटे होने छोटे होने के कारण उन्हें मातृ भाषा के द्वारा पढ़ाना अधिक उप-योगी होगा। द्वितीय और तृतीय वर्ग के बच्चों को साहित्य एवं व्याकरण का अच्छा ज्ञान देना चाहिये।
इस वर्ष परीक्षा फल निम्न प्रकार से हुआ है।

पंचम वर्ग ४/५

चतुर्थ वर्ग ३/५

द्वितीय वर्ग ७/८

प्रथम वर्ग ६/२६

(४) शिक्षकों का वेतन अक्टूबर तक मिल चुका है हमारा अनुरोध है कि वे इनका वेतन शीघ्रातिशीघ्र भेजने की कृपा करें।

(५) नवीन पाठक्रम की एक प्रति भी यहां मौजूद नहीं है उम्मीद है कि आगामी माह तक इनको भेज दी जायगी।

(६) समय तालिका का निर्माण नहीं किया गया है कारण एक विभागीय निर्मीत ~~नहीं कि~~ समय तालिका हरेक स्कूल को मिलने वाला है।

(७) नवीन समागत (सिलेबस को सफल एवं सुचारु रूपसे चलाने के लिये निम्न आदेश दिया गया।

आदेश :—

(१) वर्ग सफाई एवं बच्चों की व्यक्तिगत सफाई पर अधिकाधिक जोर दिया जाय।

(२) स्कूल में तरह तरह के सुन्दर फूल पत्ती आदि बागबानी द्वारा स्कूल की शोभा बढ़ाई जाय।

(३) उद्योग को अधिकाधिक महत्व दिया जाय।

(४) ~~पैस~~ पैखाने तथा पेशाब खाने का प्रबन्ध शीघ्रातिशीघ्र किया जाय।

(५) बच्चों में सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिये उन्हें सामुहिक प्रार्थना मंत्री मंडल के संगठन तथा ललित कला एवं संगीतके प्रति अधिकाधिक प्रोत्साहित किये जायं।

जयदेव प्रसाद सिंह

अ० बि० नि० बसिया २

२३-१-५६।

[illegible]

[illegible]

३-२-५६।

← पहले यहां से खोलिये

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

POSTAGE

10 NP INDIA 10 नये पैसे

RANCHI

To
The
Head Supervissior of Schools
G.E. L. Church Ranchi
P. O. Ranchi
Ranchi
(BIHAR)

दूसरा मोड़

तीसरा मोड़

भेजने वाले का नाम और पता :-

Suleman Horo
G. E. L. Church U. P. School
Amtapani

RANCHI
8 AM
6-2-59

To
The Head Supervissior of Schools
Ranchi

महाशय,

नम्र निवेदन है कि तिथि ३ जनवरी १९५९ का इन्टरभ्यू का अभी तक कुछ खबर नहीं आ रहा है। वर्तमान मैं बड़े असमंजस में पड़ा हूँ। इन्टरभ्यू के वक्त आपने कहा कि replacement वालों का तुरन्त ही हो जायगा। किन्तु अभी तक किसी प्रकार का खबर आफिस से नहीं मिल रहा है। न तो S.I. तरफ से ही खबर आता है। पूछने से जबाब मिलता है कि मुझे सब ख्याल है। वे भी गरीब पर कुछ ध्यान नहीं देते हैं।

आप से नम्र निवेदन है कि कृपाया मुझ गरीब पर दया दृष्टि कर उपरोक्त बातों के विषय जांच पड़ताल करने की कृपा करें। आप ही हमारे सहायक हैं। आप के जांच से उम्मेद है गरीब का काम यथा सम्भव हो सकेगा।

कृपाया जांच करके मुझ गरीब को सन्तोषजनक की बातें देने में तकलीफ करने की मेहरबानी करें। आइन्दे हुजूर आप ही मालिक हैं।

आप का विश्वस्त,
सेवक
Suleman Horo
G.E.L. Church u.p. School
Ambapani
P.O. Jampani
Ranchi
3. 2-59

N.B.: मैं 19 Sept 58 से काम करते आ रहा हूँ। अतः 19 Sept 58 से बिल पास करवाने की कृपा करें।
Horo

महाशय, सो मेरी दीन अर्जी है कि उसका उतर
दुरुस्त देने की मेहरबानी करें।

महा मान्यवर हेड सुपर भईजर लुथेरान स्कूल्स राँची।

द्वारा गोविन्दपुर सिनोद सुपर भईजर,

महाशय,

आप से सविनय निवेदन है कि अब तक मुझे सेप्टेम्बर महीने का वेतन नहीं मिली है। इसलिये मेरी आर्ज है कि सेप्टेम्बर महीने का वतने जल्दी दिलने की कृपा करेंगी।

एक कोपी अंचल निरिक्षक द्वारा जिला शिक्षा अधिक्षक राँची को तिथि २६-१-५६ को दिया गया।

तिथि ६-२-५६ साल

आप की विस्वास्त
कुमारी एस्तर केरकेटा।
एल. पी. स्कूल बमहनडीह

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION
Head Supervisor Lutheran Schools
Mr. N. E. HORO.

No. 444/58. G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Dated 31st. Dec. 1958

To,

Rev. C. B. Aind,
Synod President, G. E. L. Church,
Rajgangpur, Orissa.

Sir,

I am to say that a book-post containing list of books to be taught during the session 1959 in our schools is being sent to you. ~~by our Book Seller~~ ~~Messrs. PUS~~ Kindly distribute them among your schools.

THANKS.

Yours faithfully,

31/12/58

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

To The Head Supervisor Lutheran schools
Ranchi.

महाशय,

के कमल चरणों में यह पद आवेदन पत्र सुपुर्द करता हूं कि मेरा बड़ा भाई जोसेफ डॉंग लोम्बोई जी० ई० एल० यू० पी० स्कूल में शिक्षक का काम करते थे। अब इस्तीफा देकर सरकारी पोस्ट में चले गये। इनके बदले कमीटी मुझे बहाल की है।

तिथि १०-१-५८ से काम शुरु किया हूं।

इतने दिन बीत गये किसी प्रकार का वेतन नहीं मिल रहा है न कमीटी देती है न मिशन महाशय से मेरी दीन अर्जी है कि बहाली का तुरन्त प्रबन्ध करें या किसी प्रकार का वेतन देने की देखभाल करें, या छुट्टी दे दीजिये।

आप के इस दया पूर्ण कार्य के हेतु मैं आभारी आप का कृतज्ञ बना रहूंगा।

लोम्बोई
१०-१-५८

निवेदक
जोहन डॉंग

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION
Head Supervisor Lutheran Schools
Mr. N. E. HORO.

No. 443/58

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Dated 31st Dec. 1958.

To,

Rev. N. Bhuinya,
Synod President, G. E. L. Church,
Hazaribagh.

Sir,

I am sending a book-post containing list of books to be taught in our schools during the session 1959.

Kindly distribute them in our schools.

THANKS.

Yours faithfully,

N Horo 31/12/58

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

DEPARTMENT OF PRIMARY EDUCATION

Head Supervisor Lutheran Schools

Mr. N. E. HORO.

No. 444/58

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Dated 31st. Dec. 1958

To,

Rev. C. B. Aind,
Synod President, G. E. L. Church,
Rajgangpur, Orissa.

Sir,

I am to say that a book-post containing list of books to be taught during the session 1959 in our schools is being sent to you. ~~by our Book Seller~~ ~~Messrs. RHS~~ Kindly distribute them among your schools.

THANKS.

Yours faithfully,

N. Horo 31/12/58

Head Supervisor,
Lutheran Schools, Ranchi.

श्रीमान सेक्रेटरी
एल० पी० स्कूल कारुपिड़ी

महाशय,
आप के नोटिस और बहाली चिट्ठी के अनुसार मैं ता: १६-२-५९ को कारुपिड़ी एल० पी० स्कूल में आकर अपना काम शुरू की। आगे आप मालिक हैं।

आप का विसवस्त
शिक्षिका

Salomi Tuti
16/2/59

Forwarded to
H.S. of school
G.L. church
Ranchi

J. Tuti. 16.2.59
Secretary & Gov. C.
Bampiri

Recommended
for approval
[illegible]
Synod school
supervisor
Burjusyn
23/2/59

बारुपीड़ी एल॰पी॰ स्कूल की मैनेजिंग कमिटी जो १४-२-५६ को बैठी थी उसका नकल।

Item No 3. मिस्ट्रेस की ता: ६-२-५६ की आवेदन पत्र :- मिस्ट्रेस सलोमी टुटी की दरखास्त पर मैनेजिंग कमिटी गम्भीर सोच विचार कर यह निर्णय करती है कि सलोमी टुटी, बरुपीड़ी एल॰ पी॰ स्कूल के लिए शिक्षिका बहाल किया जाय। इसकी योग्यता मिडिल ट्रेन्ड पास है। और उनका इन्टरभीउ उओ १-१-५६ मे हुआ है।

सर्व समिति से इस को आज ता: १४-२-५६ मैं बहाली की है। उसको नोटिस दिया जाय और जिस दिन वह काम मे हाजिर होगी, उसी दिन से उस का काम शुरू माना जाय।

आप का विश्वस्त

[signature] 27.2.56

सेक्रेटरी बरुपीड़ी स्कूल

To

The Head Suparvisor Lutheran School.
Ranchi.

Through the Synod Suparvisor Lutheeran
School Burju.

महाशय

आप को मालूम होवे कि बरुपिड़ी एल पी स्कूल मेनेजिंग ने ता: १४·२·५९ के फैसला अनुसार मेस्सट्रेस सलोमी टुटी को शिक्षिका सिफारिस करती है वो १६·२·५९ से उस को स्कूल काम का चार्ज दिया गया। अतएव कमिटी दीनता पूर्बक अर्जी करती है कि हजूर से उक्त सज्जन की नियुक्ति की हुकुम फरमाया जाय।

आप का विश्वस्त

J. Purti. 22.2.59.

Sarctary S.M.C. Barupiri

હો ગયા। બહુત દુઃખ કી બાત અભી
તક મેરે પાસ ન અપોઈંટમેન્ટ લેટર આ
રહી હૈં ન કોઈ ઇન્ક્રીમેન્ટ કા ખબર કુછ
નહીં. સો આપસે મેરી દીન મેહરબાની હૈ
આપ મેરા જલ્દી અપોઈન્ટમેન્ટ કર દીજિયે,
આપ સે ફિર મેરા મેહરબાની હૈ કિ
[illegible] ઇન્હીં પાંઓ ગાંઓર હી કે કારણ સે આપને માઈ
બહનોં કો લુથેરાનરા સ્કૂલ મેં ભરતી કી હૈ।
ઔર અભી તક કુછ નહીં હો રહા હૈ કા
કારણ ક્યા હૈ. સો આપ ફિર ભી અર્જી હૈ કિ આપ
મુઝ ગરીબ પર નજર ડાલિયે ઔર જૈસા જલ્દી
જલ્દી કર દીજિયે। યહાં મેરી દીન આપમહીન અર્જી હૈ
Sushila Dung

पोस्ट कार्ड

साथ का ... के लिए

POSTAGE

5 N.P. INDIA ५ न.पै.

5-2-57 RANCHI

To
The Head Supervizar
G. E. L. Schoo Ranchi
Dist Ranchi

Sushila Dungdung
Keondih School Keondih

लुथेरान स्कूल हेड मास्टर, P.O. Keondih. Date 9-2-59
Keondih.

महाशय,

उपाय से मेरा निवेदन ऐसा है कि मैं १९५८ जुलाई ४-७-५८ से इन्क्रीमेंट दे कर काम में हुजूर की आज्ञा अनुसार केन्दडीह यू.पी. स्कूल में काम करने शुरु की हूँ। बेसिक ट्रेनिंग में भी उतीर्ण हुई हूँ. फिर उतीर्ण होने के पश्चात मैं तीन महीने जानावारी में भी इन्क्रीमेंट में शामिल हुई, मेरा इन्क्रीमेंट

O/C

702/53

7th December 3.

To,

The Chairman,

Lohardaga Municipality, Lohardaga.

Through

The Deputy Inspector of Schools, Ranchi.

Dear Sir,

Herewith I am forwarding the D.A. bill of Lohardaga Lutheran Middle School for the period from March'53 to November'53.for favour of your countersignature and further transmission to the Chairman Lohardaga Municipality for early payment ofthe same with an intimation to this Office.

Enclos:- 2.

Yours faithfully,

No 703/53

Head Supervisor
Lutheran Schools,Ranchi.

Copy to Head Master Lohardaga Lutheran Middle Schools for information.

To :
The Head Supervisor,
Lutheran schools,
Ranchi.

ben 19/11/53

Copy forwarded to —

(1) Education Secretary
Lohardaga Municipality.

(2) Deputy Inspector of Schools,
Ranchi.

(3) Head Supervisor,
Lutheran Schools,
Ranchi.

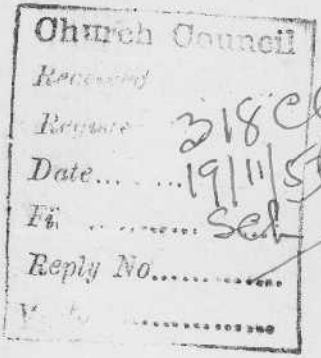

Church Council
Received
Register 318 C
Date 19/11/53
File Sch
Reply No.

Hd. master.
N. Tigga
17-11-53
Lutheran M. E. School,
Lohardaga. Ranchi.

Head Supervisor
Lutheran Schools
Ranchi.

9/11/53

Copy forwarded to
(1) Education Secretary
Lohardaga Ranchi
(2) Deputy Inspector of Schools
Ranchi
(3) Head Supervisor
Lutheran Schools
Ranchi

Headmistress
N. Tigga
17/11/53

Lutheran ... Schools
Lohardaga Ranchi

प्र० अध्यापक
तिथि ....

SUGGESTIONS FOR THE SOLUTION OF THE PROBLEMS.

For the proper handling of the problems we consider that the two types of solutions are required to meet the situation: 1.Method of uniting the two sides giving rise to complete re-union. 2. Future set up and reforms in the sturcture of the Church covering Social, Spiritual, administative and various other fields. Here we propose to deal with the reforms for the re-united church and prevent the future recurrence of such ugly history:-

1. Spiritual- The Clergy should exclusively charged for the ministration of the WORD. Clergy should be completely free from the temporal activity. The spiritual life of the church should be so welded so that Social instinct should be subordinate to religous sentiment and kinship. The people should be taught that religious bod transcends all othe forms of bonds.

2. Administrative:- Within a small space we want to suggest a few among many ideas for the solution. Complete decentralisation of authority coupled with unified central co-ordinating guidance. Centre to provide men,money and field machinery. Creation of units of viable compact churches based on territorial homogeniety of members possessiing kinship and language entity, possessing internal autonomy. Unified control of all resources and equitable distribution of them according to necessity.

3. Constitutional:- Provision to define territorial limits and number of churches based on kinship, language, compactness and viablility. Unitary type of democracy should be established providing for gradual growth of administrative ~~ee~~ freedom with minimum central control .

President should be a repository of church authority while the Secretary should be the executive to employ those powers. Provisions of the creation of departments should made. Synods should be abolished. Employees to be debarred in the say of the administration. Representation in the Mahasabha should be altered so that it should be a reflection of the Church life. Central executive to be strengthened in the quality of its members and reduced in size to not more than total number of nine members. Secreteriate and Departmental Heads should be its feature. Nine members shew can meet monthly. The President of the G.E.L.Church should not be the presiding officer in the central executives sittings nor at the sessions of the Mahasabha. In both places there should be a chairman to guide the deliberations with no vote. He should be an elected officer for a term. Likewise the ~~secretary of the secretaryship of should~~ secretaryship of the G.E.L.Church should be divided into a secretary of the central body and general secretary of the G.E.L.Church in which case the former will be appointed while the latter will be elected for a term by the Mahasabha . Considering the great dignity of the presidentship we propose that evils of contest for that position should be eliminated. We propose that president should elected whould be elected by the college of ministerium convened for the purpose who will procced to elect one of the five seniormost pastors reflecting the pattern of christian life.

4. Finance:- During ~~the~~ a period of forty years of autonomy we have not yet become self-supporting. Our means are plenty but the husbanding of them is defective. We suggest that after five years subsidies should stop. Unification of the resources should be achieved Newer resources should be tapped so that at the end of five years the church income should show an increase of seventy percent of the present. There should be a financial secretary to plan out the ways and means of the church.

These solutions suggested and criticism offered should be construed to come from a group of humble brethren. In our view union is more important than legality or constitutionality of the problem. We have to save our brethren .The prodigal was never rebuked and the lost sheep cam back on our Lord's shoulder. At the end we quote our Lord's word "Beloved if God so loved us we ought also to love one another. If we love one another, God dwelleth in us and HIS LOVE IS PERFECTED IN US (1 John,4,11,12) Let us therefore live with our brethren in the same tent because it is like the precious ointment ~~powered over~~ poured over the head of Aaron that flowed down through the beards to the skirts of his garment.

Continued---------

5. Mahasbha:- Mahasabha should represent the church life completely and without commenting much we suggest this ratio that 50% should go to the laity who are not servants of the church . 25% percent should go to the clergy. The rest 25% should be used for co-option in getting the intelligentia and special interests. Above this total of one hundred pecent ~~should~~ two seats should go to residential missionaries. Members should continue for a period of four years. Mahasabha should be annual. Mahasabha should not represent the units but whole church through the parishes.

~~IXTHE~~ METHODS OF INTRODUCING UNION WITHIN THE CHURCH AND TERMINATION OF THE EXISTING TROUBLES.

The methods set forth below are given with the idea that a certain degree of good will and keen desire of ending the trouble exists so that peace and harmony should reign in the G.E.L.Church. We suggest threfore:-

1. Let us request our Be Loved Visitor of the Berlin Board Director Lokies to take the initial step to start the ball of peace rolling.
2. Let the church council and the leaders of the North Zone choose one men from the opposite communities who should not be a leading actor in the present dispute. The persons so nominated should not suffer from communal bias but otherwise should be intelligent meritorious and social.
3. These tow persons with Lokies as leader should find out three more men to join their group.
4. This group should be asked to prepare a plan of future set up ~~in the light of~~ of the church in the light of the troubles we have analysed in this statement.
5. Meanwhile the church council and the North Zo ne convene Mahasabha. Each group will call their quota of representatives prior to the defection within the Church.
6. Mahasabha so convened should with the aid of opposite groups adopt the plan of the body to be known as "Conciliatory Board" and also approving the whole committee as the future executive of the Church.
7. Once the Mahasabha has given approval, the Church Council and the North Zone shall cease to exist.
8. Until this stage has been reached the North Zone and the Church Council will function asusual subject to the proviso that neither party will aggravate the situation and prejudice the union within the church
9. It shall be the express understanding of the new authority that it shall introduce such reforms indicated in this statement in the lines suggested there.
10. It is imperative for the sake of fairness and good of the chuch representative members once within the Mahasabha shall give the affirmation to the effect that his sole concern shall be serving the Church as a whole for the golory of the Lord. He shall desist from taking such actions which will bring injury to the cause of the Church.

Sd/- Th.Hurad,
27;1.59.
Sd/- P.Topnoe